भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4322 का उत्तर

आसनसोल-बांकुड़ा कनेक्टर रेलवे लाइन

4322. श्री अरुप चक्रवर्ती:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्व रेलवे ने प्रस्तावित आसनसोल-बांकुड़ा कनेक्टर रेल लाइन के आसनसोल से मेजिया ताप विद्युत स्टेशन (एमटीपीएस) तक रेल मार्ग का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है;

(ख) यदि हां, तो क्या रेलवे के लिए भूमि उपलब्ध होने के बावजूद मेजिया-बांकुड़ा का शेष भाग अभी भी लंबित है; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और रेलवे का इसके शेष 22 किमी भाग के कार्य में तेजी लाने और इसे पूरा करने का लक्ष्य क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

मेजिया थर्मल पावर स्टेशन एक निजी साइडिंग है जो ताप ऊर्जा संयंत्र को कोयला आपूर्ति करने के लिए रानीगंज (एमटीपीएस) से जोड़ता है। बांकुरा-रानीगंज नई रेल लाइन (48 कि.मी.) के लिए सर्वेक्षण किया गया था। इस परियोजना में कम यातायात होने का अनुमान है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, आसनसोल और बांकुरा क्षेत्र सहित पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 60,168 करोड़ रुपए की लागत की कुल 4,479 किलोमीटर लंबाई की 43 परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से मार्च 2024 तक 1,655 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	13	1087	322	9774
आमान परिवर्तन	4	1201	854	3663
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2192	479	6997
कुल	43	4479	1655	20434

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	13,955 करोड़ रु. (3 गुना से अधिक)

आसनसोल और बांकुरा क्षेत्रों में रेल संपर्कता में सुधार लाने के लिए, चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25 में पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	चाण्डिल - अनारा - दामोदर तीसरी लाइन (121.26 कि.मी.)	1,932
2	कालीपहाड़ी - बख्तरनगर पांचवीं लाइन (17.61 कि.मी.)	350
3	गौरीनाथ धाम से पुरुलिया तक रेल फ्लाईओवर (चाण्डिल की तरफ) (5.9 कि.मी.)	429
4	सीनी और कान्ड्रा (12.53 किमी) तीसरी और चौथी लाइनें	287

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसरंचना परियोजनाओं का क्रियान्वयन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

कुल अधिगृहीत भूमि	**4093 हेक्टेयर**
अधिगृहीत भूमि	**1086 हेक्टेयर (26.5%)**
शेष भूमि जिसका अधिग्रहण किया जाना है	**3007 हेक्टेयर (73.5%)**

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**कुल आवश्यक भूमि (हेक्टेयर में)**	**अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)**	**शेष भूमि जिसका अधिग्रहण किया जाना है (हेक्टेयर में)**
1	**नबद्वीपघाट-नबद्वीपधाम नई लाइन**	**106.71**	**0**	**106.71**
2	**सैंथिया में बाईपास**	**22.28**	**0**	**22.28**
3	**दीघा-जालेश्वर नई लाइन**	**55.43**	**0**	**55.43**

भारत सरकार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए तैयार है, बहरहाल, सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

*****